



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 125]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 7, 1989/अषाढ 16, 1911

No. 125]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 7, 1989/ASADHA 16, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 128

नई दिल्ली, 7 जुलाई, 1989

विषय :— जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा कर्नाटक विद्युत निगम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) की रायचूर थर्मल पावर स्टेशन विस्तार योजना को लागू करने के लिए बढ़ाए गए 23.142 बिलियन के ऋण सं. आई.डी.पी. 52, दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपकरणों तथा सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

क्राइल सं. आईपीसी/23 (52) 88-91 :—कर्नाटक विद्युत निगम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) को रायचूर थर्मल पावर स्टेशन विस्तार योजना (1—210 एम डब्ल्यू), को लागू करने के लिए 23.142 बिलियन के विदेशी आर्थिक सहयोग ऋण सं. आई.डी.पी. 52 दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपकरणों तथा सेवाओं के आयात को शासित करने वाली शर्तें, जो इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में दी गई हैं, सूचना के लिए अधिसूचना की जाती हैं।

जेजेन्द्र खन्ना, मुख्य निगंत्रक, आयात-निर्यात

परिशिष्ट

जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा कर्नाटक विद्युत निगम (मैसर्स के.पी.सी.एल.) की रायचूर थर्मल पावर स्टेशन विस्तार योजना को लागू करने के लिए 23.142 बिलियन के ऋण संख्या आई.डी.पी. 52, दिनांक 15-12-1988 के अंतर्गत उपकरण और सेवाओं के आयात के संबंध में लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1—सामान्य शर्तें

1(1) मैसर्स के.पी.सी.एल. की रायचूर थर्मल पावर स्टेशन विस्तार योजना की आयात आवश्यकता के वित्तदान के लिए जापान की विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) द्वारा प्रदान किये 23.142 बिलियन येन का ऋण जापान और विकासशील देशों जिनमें भारत और (ओ.ई.सी.एफ.) के सभी सदस्य देश शामिल हैं के लिए खुला है। तदनुसार, इस क्रेडिट के अधीन अधिप्राप्त की जाने वाली वस्तुएं और सेवाएं जापान और अनुबंध-1 की सूची में उद्धृत सभी देशों से आयात की जा सकती हैं। ये देश इस ऋण के अंतर्गत पात्र स्रोत देश होंगे।

1(2) क्रेडिट के अधीन केवल उन्ही मदों और उसी मूल्य के लिए लाइसेंस जारी किए जा सकते हैं जिनके लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास/पूँजीगत माल समिति द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई

हो। इस क्रेडिट के अधीन जारी किए गए आयात लाइसेंस का मूल्य 25.456 बिलियन येन (लागत बीमा भाड़ा) से अधिक नहीं होना चाहिए।

आयात लाइसेंस का रुपये में मूल्य राजस्व विभाग (सीमाशुल्क) द्वारा अधिसूचित विनियम दर और आयात लाइसेंस जारी करने की तिथि को प्रचलित दर और मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा जारी की गई सार्वजनिक सूचना सं. 78-आईटीसी (पी.एन)/74, दिनांक 6 जून, 1974 के पैरा-2 के अनुसार आयात लाइसेंस में संकेतिक दर पर निर्धारित किया जाएगा, जिसमें यह उल्लेख हो कि सीमाशुल्क प्राधिकारी और विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत व्यापारी आयात लाइसेंस (सों) में विनिर्दिष्ट मुद्रा विनियम दर पर मूल्य को लाइसेंस मूल्य के नामों डालेंगे। लाइसेंस पर एक शीर्षक "जापानी येन ऋण सं. आईडीपी-52" होगा। प्रथम और द्वितीय प्रत्यय के लिए लाइसेंस में "एच/जेसी" होगा। यह कोड भारतीय खाद निगम को लाइसेंस भेजते समय मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के पत्र में भी डुहराया जाएगा। जिसकी एक प्रति वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को पृष्ठान्त की जानी चाहिए।

1(3) मैसर्स के.पी.सी.एल. के पक्ष में आयात लाइसेंस केवल लागत-बीमा-भाड़ा के आधार पर ही जारी किये जा सकते हैं।

1(4) आयातक की सुविधा पर निर्भर करे हुए एक से अधिक आयात लाइसेंस इस क्रेडिट के अधीन जारी किए जा सकते हैं। लेकिन कुल मूल्य 25.456 बिलियन (लागत-बीमा-भाड़ा) येन के अधीन नहीं होना चाहिए जैसाकि ऊपर पैरा (2) में कहा गया है।

1(5) आयात लाइसेंस की वैधता को आयातक द्वारा आवेदन करने पर 12 महीनों की और अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है। आगे और वृद्धि करने के लिए/नया आयात लाइसेंस जारी करने के लिए यदि कोई आवेदन हो तो उसे आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेजा जाना चाहिए।

1(6) क्रेडिट के अधीन वित्तदान किए जाने वाले आयात/आयात लाइसेंस प्राधिकारी द्वारा विधिवत सत्यापित संलग्न माल और सेवाओं की सूची तक प्रतिबंधित है।

1(7) विदेशी मुद्रा के किसी भी परेषण की अनुमति आयात लाइसेंस के मद्दे नहीं दी जाएगी। भारतीय अभिकर्ता को कमीशन के रूप में कोई भी भुगतान भारत में भारतीय अभिकर्ता को भारतीय रुपये में किया जाना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान लाइसेंस मूल्य के ही भाग होंगे और लाइसेंस पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(8) पक्के आदेश अनुबंध-1 में उल्लिखित देशों में स्थित विदेशी संभरकों को जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत-बीमा-भाड़ा/लागत और भाड़ा रजम के आधार पर दिए जाने चाहिए और वे आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से 4 महीनों की अवधि के भीतर आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को भेज दिए जाने चाहिए। बीमा प्रभार का भुगतान भारतीय रुपये में भारत में देय होगा। पक्के आदेशों का अर्थ भारतीय लाइसेंस-धारी द्वारा दिए गए उन क्रय आदेशों से है जो विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित हों या भारतीय आयातक और विदेशी संभरक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित क्रय संविदा हो। विदेशी संभरकों द्वारा भारतीय अभिकर्ताओं को दिए गए आदेश या ऐसे भारतीय अभिकर्ताओं द्वारा पुष्टिकरण आदेश स्विकार्य नहीं हैं।

1(9) चार महीनों की अवधि के भीतर ठेकों को इस शर्त का तब तक अनुपालन किया गया नहीं समझा जाएगा जब तक कि ठेके के पूर्ण दस्तावेज आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि से चार महीने के भीतर वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) को नहीं पहुंच जाते हैं। यदि उपर्युक्त पैरा 1(8) में यथा उल्लेखित पक्के आदेश चार महीनों के भीतर वैध कारणों से नहीं दिए जा सकते हैं तो चार महीने के भीतर आदेश क्यों नहीं दिए जा सकते इन कारणों का उल्लेख करते हुए लाइसेंसधारी को आयात लाइसेंस को संबद्ध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत कर देना चाहिए। आदेश देने की अवधि में वृद्धि के लिए ऐसे

आवेदनों पर लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा पात्रता के आधार पर विचार किया जाएगा। वे अधिक से अधिक चार महीनों को और अवधि के लिए वृद्धि प्रदान कर सकते हैं। लेकिन यदि वृद्धि इस लाइसेंस के जारी होने की तिथि से 8 महीनों से अधिक के लिए मांगी जाती है तो ऐसे प्रस्ताव निरपवाद रूप से लाइसेंस प्राधिकारियों द्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग), नार्थ ब्लॉक, नई दिल्ली को भेजे जाएंगे जो कि एसी वृद्धि के लिए प्रत्येक मामले की पात्रता के आधार पर विचार करेंगे और अपना निर्णय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजेंगे। जिसको वे लाइसेंसधारी को प्रेषित करेंगे। लाइसेंसधारी द्वारा लाइसेंस प्राधिकारियों से केवल एसी वृद्धि प्राप्त करने वाला एक पत्र प्रस्तुत करने पर ही प्राधिकृत व्यापारी और विभागीय पदाधिकारी आयात लाइसेंस के अधीन किए गए संभरण ठेकों को पूर्ण करने के संबंध में संबंधित स्थापित करने के लिए प्राधिकार पत्र और तुल्य रूप का जमा करने आदि की स्वीकृति आदि की सुविधाओं की अनुमति देगे।

1(10) आयात लाइसेंस की समाप्ति से चार महीने के भीतर सभी भुगतान पूर्ण कर देने चाहिए। माल के पीतलदान पर अलग-अलग भुगतानों की व्यवस्था होनी चाहिए। ठेके में नकद आधार पर अर्थात् पीतलदान दस्तावेजों के प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था होनी चाहिए। विदेशी संभरक से भारतीय आयातक को किसी भी किस्म की ऋण सुविधा उपलब्ध करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। माल के वितरण की अवधि के लिए ठेके में निम्नलिखित व्यवस्था होनी चाहिए:—

"साख-मज की प्राप्ति के बाद महीनों परन्तु अधिक से अधिक के अतः तक पूर्ण किया जाना है।

पीतलदान के लिए आखिरी तिथि निश्चित करने में इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह तिथि 31-12-1992 के बाद की न हो।

खण्ड-2 संभरण ठेके का समशीत करते समय ध्यान में रखी जाने वाली विशेष बातें।

2(1) ठेके का जहाज पर्यन्त निःशुल्क लागत बीमा भाड़ा मूल्य येन में (येन की भिन्न के बिना) अभिव्यक्त होना चाहिए और इसमें भारतीय अभिकर्ता का कमीशन, यदि कोई हो, तो वह शामिल नहीं होना चाहिए। जो कि भारतीय रुपये में चुकाना चाहिए।

संविदा का मूल्य येन में (या भारतीय संभरकों के मामले में भारतीय रुपये में) अभिव्यक्त होना चाहिए। क्रय आदेश और संभरक द्वारा पुष्टिकरण आदेश केवल अंग्रेजी में होना चाहिए।

2(2) ऋण की रकम से वित्त पोषित किए जाने वाले सभी माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के अंतर्गत अधिप्राप्ति के लिए मार्ग दर्शन बिन्दुओं के अनुसार निम्नलिखित संपूर्ण शर्तों के साथ की जाएगी:—

(क) कम से कम 500 मिलियन येन के अनुमानित मूल्य के माल और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में:—

(1) यदि पूर्व अर्हता सहित औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा से भिन्न अधिप्राप्ति क्रियाविधि अपनाने का प्रस्ताव है तो अधिप्राप्ति की पद्धति के अनुमोदन के लिए ओ.ई.सी.एफ. को आवेदन पत्र प्रस्तुत करके उससे पूर्व अनुमोदन प्राप्त किया जाएगा।

(2) सफल बोलीदार को निर्णय का नोटिस जारी करने से पहले बोली मूल्यांकन रिपोर्ट सहित निर्णय के अनुमोदन के लिए आवेदन पत्र ओ.ई.सी.एफ. को प्रस्तुत किया जाएगा। निर्णय और बोली मूल्यांकन के अनुमोदन के लिए उपर्युक्त आवेदन-पत्र के साथ साथ पूर्व अर्हता का मूल्यांकन रिपोर्ट, बोलीदारों को दिए गए नोटिस और अनुदेश, बोली प्रपत्र, प्रस्तावित ठेका विशिष्टिकरण और ड्राइंग और बोली से संबंधित अन्य दस्तावेज ओ.ई.सी.एफ. को भी पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे।

(ख) 500 मिलियन येन से कम अनुमानित मूल्य के साथ और सेवाओं की अधिप्राप्ति के मामले में ठेके के निर्णय के लिए ओ.ई.सी.एफ. के पूर्व अनुमोदन की इस शर्त पर आवश्यकता नहीं है कि निविदा की खपे उचित रूप से विभाजित की गई पर हों। लेकिन यदि ओ.ई.सी.एफ. अनुरोध करें तो उसे निविदा मूल्यांकन रिपोर्ट आदि पुनरीक्षा के लिए प्रस्तुत की जाएगी।

2(3) विदेशी संभरक को भुगतान उनके नाम में भारतीय बैंक, टोकियो द्वारा 1988-89 के लिए ओ.ई.सी. एफ येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) सं. आई डी पी-52 के अधीन खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किया जाना चाहिए। जिसका शरीर नीचे खण्ड-7 में दिया गया है।

2(4) आयात लाइसेंस के मद्दे केवल एक ही संविदा की जानी चाहिए। लेकिन कुछ विशेष मामलों में एक से अधिक संविदा करने की अनुमति भी दी जा सकती है। जिसके लिए आयात लाइसेंस जारी होने की तिथि के तुरन्त बाद वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) से अनुमोदन प्राप्त कर लेना चाहिए।

2(5) संभरक की पात्रता

संभरक, पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिक या पात्र स्रोत देशों में शामिल किए गए तथा पंजीकृत किए गए पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा शासित वैध व्यक्ति होंगे और उनके पास पात्र स्रोत देशों में माल तथा सेवाएं प्रस्तुत या उपलब्ध कराने की उपयुक्त सुविधा होगी तथा उन्होंने वास्तव में व्यवसाय किया होगा।

2(6) अपात्र स्रोत देशों से अनुमेय आयात

जिन वस्तुओं में अपात्र स्रोत देशों में बनी हुए सामग्री निहित है उसका वित्तवत किया जा सकता है बशर्ते कि निम्नलिखित सूत्र के अनुसार ऐसे उत्पाद की प्रति यूनिट का मूल्य मध्यम आधार पर आयातित भाग के 50% से कम हो :-

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100}{\text{संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य}}$$

(भारतीय संभरकों के सम्बन्ध में एकल कैबटरी मूल्य अनाया जाएगा)

2(7) संविदा में घोषणा

प्रत्येक संविदा में संभरक द्वारा माल एवं संभरक की पात्रता और संभरक के हस्ताक्षर और तारीख से निम्नलिखित घोषणा जोड़ी जाएगी :-

“मैं, अधोहस्ताक्षरी एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि संभरित किया जाने वाला माल (संबंधित पात्र स्रोत का नाम) में उत्पादित है।”

“मैं अधोहस्ताक्षरी आगे यह प्रमाणित करता हूँ कि पूरी जानकारी और विश्वास के अनुसार अपात्र स्रोत देशों से आयातित भाग निम्नलिखित सूत्र के अनुसार 50 प्रतिशत से कम है :-

$$\frac{\text{आयातित लागत बीमा भाड़ा मूल्य} + \text{आयात शुल्क} \times 100}{\text{संभरक का जहाज पर्यन्त निःशुल्क मूल्य}}$$

(जहां एकल कैबटरी मूल्य लागू हो)

मैं, अधोहस्ताक्षरी, एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि (कम्पनी का नाम) और पात्र होने देश का नाम में समाविष्ट हो चुकी है और संबंधित पात्र स्रोत देशों के राष्ट्रिकों द्वारा नियंत्रित है।

खण्ड-3 संभरण ठेका में समाविष्ट की जाने वाली शर्तें

3(1) संभरण ठेकों में निम्नलिखित प्रावधान विशेष रूप में सहायक विष्ट होने चाहिए :-

(क) ठेके की व्यवस्था भारत सरकार और जापान की विदेशी आर्थिक सहायोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच रायचूर थरमल पावर स्टेशन विस्तार परियोजना के लिए येन क्रेडिट सं. आई डी पी-52 (परियोजना सहायता) के अंतर्गत हुए ऋण समझौते के अनुसार होनी चाहिए और यह भारत सरकार और विदेशी आर्थिक सहायोग निधि के अनुमोदन के अधीन होगा।

(ख) संभरकों की भुगतान भारत सरकार और जापानी विदेशी आर्थिक सहायोग निधि (ओ ई सी एफ) के बीच येन क्रेडिट सं. आई डी पी-52 से संबंधित 15 दिसम्बर, 1988 को हुए ऋण समझौते के अंतर्गत बैंक आफ टोकियो द्वारा जारी किए जाने वाले अपरिवर्तनीय साखपत्र के माध्यम से किए जाएंगे।

(ग) संभरक ऐसी सूचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए सहमत होगा जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी ओर ओ. ई. सी. एफ. द्वारा येन ऋण के अधीन अपेक्षित हो।

(घ) 2(7) में उल्लिखित प्रपत्र में प्रमाणपत्र (तीन प्रतियों में)।

(ङ) यदि किसी मामले में संभरक जापान में स्थित हो तो संभरक संविदा के संबंध में एक धारा होनी चाहिए कि जापानी संभरक भारतीय दूतावास, टोकियो के परामर्श पर पोत परिवहन व्यवस्था करने के लिए सहमत है और इस उद्देश्य के लिए यह भारतीय दूतावास टोकियो को, शामिल माल की सुपुर्वी के कार्यक्रम से अवगत कराएगा और पोतलदान से कम से कम 6 सप्ताह पूर्ण भारतीय दूतावास को सूचना देगा जिससे कि उचित व्यवस्था हो सके। विशेष मामलों में, जहां भारतीय आयातक इच्छुक हो, सूचना की इस अवधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक को प्रत्येक पोतलदान के पश्चात् आवश्यक शरीर देते हुए तार से सूचना भेजने के लिए सहमत होना चाहिए और उनका एक प्रति भारतीय दूतावास टोकियो को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-4 ओ ई सी एफ द्वारा ठेक की पुनरीक्षा

4(1) लाइसेंसधारी को पक्के आदेश देने के लिए निर्धारित अवधि के भीतर आयातक और विदेशी संभरक को दोनों द्वारा सिधिवत् हस्ताक्षरित ठेके की चार प्रतियां जो विदेशी संभरकों द्वारा लिखित में पुष्ट आदेश के साथ हों या उनकी हर प्रकार से पूर्ण फोटों प्रति या संगत वैध आयात लाइसेंस की दो फोटो प्रतियां सहित और अनुबन्ध-2 के प्रपत्र में “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की दो प्रतियां आर्थिक कार्य विभाग को भेजनी चाहिए।

4(2) उपर्युक्त क्रियाविधि ठेकों की विषय वस्तु या उनकी कीमतों में होने वाले ऐसे सभी संशोधनों पर भी लागू हो जिसके कारण अनिवार्य रूप से आशोधन करने पड़े।

4(3) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) ठेके की एक प्रति के साथ ठेके के निर्णय का नोटिस ओ ई सी एफ को समीक्षा के लिए भेजेगा। ठेके के निर्णय के नोटिस और ठेके की एक-एक प्रति आर्थिक कार्य विभाग, भारतीय दूतावास, टोकियो को और आयात लाइसेंस की फोटो कॉपी और “प्राधिकार पत्र” जारी करने के लिए आवेदन की एक प्रति साथ सी.ए.ए. ए. ए. के कार्यालय को भेजेगा।

खण्ड—5 विदेशी संभरकों को भुगतान साख-पत्र प्रत्याधिधि

5(1) वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से ठेके के निर्णय का नाटिन और ठेके के दस्तावेज प्राप्त होने पर सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा को सम्बोधित गलन अनुबन्ध-3 में दिए गए प्रपत्र में एक प्राधिकार पत्र जारी करेगा जिसमें बैंक आफ इंडिया को टोकियो शाखा सम्बद्ध विदेशी संभरकों के नाम में समस्त अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए) के प्रपत्र में या अनुबन्ध-5 (संभावितों के लिए) के प्रपत्र में एक अपरिवर्तनीय साखपत्र खानेगी। प्राधिकारी पत्र की प्रतियाँ ओ.ई.सी.एफ. भारतीय वृत्तवास, टोकियो भारत में आयातक के बैंक, आर्थिक कार्य विभाग (जापान अनुभाग) वित्त मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएगी।

5(2) प्राधिकार पत्र मिलने पर, भारतीय बैंक, टोकियो अनुबन्ध-4 (आयातों के लिए लागू होता है) या अनुबन्ध-5 (संभावितों के लिए लागू होता है) के अनुसार संबंधित विदेशी संभरकों के नाम में अपरिवर्तनीय साखपत्र की स्थापना करेगा और उसकी एक प्रति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.), भारतीय वृत्तवास, टोकियो, भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा एवं लेखा परीक्षा नियंत्रक को भी भेजेगा।

सी.ए.ए. एण्ड ए. से प्राधिकार पत्र के आधार पर माख-गल खोलने के लिए उपर्युक्त क्रियाविधि सविदा संशोधन या अन्यथा के लिए आवश्यक समझे जाने वाले ऐसे सभी प्राधिकार पत्र/माख-पत्रों के संशोधन पर स्वतः लागू होगी।

5(3) माल का पोतलदान करने के साथ विदेशी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से साख-पत्र में उल्लिखित दस्तावेज भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा। बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि को विदेशी संभरक को उसके बैंकों के माध्यम से जारी करेगा और उसके बाद आयातों की लागत की धनराशि की प्रतिपूर्ति विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से प्राप्त करेगा।

5(4) साख-पत्र खोलने, उसके प्रवीन लेन-देन करने और विदेशी संभरक के बैंक के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे आयातक/विदेशी संभरक द्वारा वहन किए जाएंगे। ओ.ई.सी.एफ. ठेके के मूल्य के 1/10 प्रतिशत (0.1 प्रतिशत) मूल्य के बराबर धनराशि प्राप्त करने पर बंधनबद्धता पत्र जारी करेगा। यह धनराशि ओ.ई.सी.एफ. द्वारा स्वयं ऋण/निधियों से से चुकाई जाएगी।

ओ.ई.सी.एफ. या उद्घात लेखा नियंत्रक, वित्त मंत्रालय से भुगतान की सूचना प्राप्त होने पर आयातक को बंधनबद्धता पत्र के खर्चों के मुख्य धनराशि सरकारी लेखों में जमा करनी होगी। ओ.ई.सी.एफ. को भुगतान की तिथि से रुपया जमा करने की तिथि तक (दोनों तिथियाँ शामिल करते) ब्याज भी प्रचलित दर पर आयातक द्वारा चुकाया जाएगा।

आयातक द्वारा प्रतिपूर्ति क्रिया विधि के सहित भी 0.1 प्रतिशत का इसी प्रकार का खर्च चुकाया जाएगा। आयातकों द्वारा आयातों के लागत के भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी.एफ. द्वारा विदेशी संभरक को अदायगी की तिथि तक की अवधि के लिए गणना करके बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय ब्याज प्रभार का भारत सरकार के लेखों को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक प्रणाली के माध्यम से भारत में संबद्ध आयातकों के बैंक द्वारा बैंक आफ इंडिया टोकियो को धन परेषण करके भुगतान किया जाएगा।

5(5) प्रतिपूर्ति क्रिया विधि

भारतीय संभरकों से माल और सेवाओं की खरीद के लिए ऋण की रकम की प्रतिपूर्ति के लिए क्रिया विधि ऋण समझौते से सम्बद्ध प्रतिपूर्ति क्रियाविधि के अनुसार होगी।

खण्ड—6 रुपया निक्षेप करने के लिए उत्तरदायित्व

6(1) बैंक आफ इंडिया, टोकियो संगत प्राधिकार पत्र के परिशिष्ट में संकेतिक अनुसार आयातक के प्राधिकृत बैंकर को पराक्राम्य पोत परिवहन दस्तावेज भेजेगा तथा बैंकर यह सुनिश्चित करेगा कि रुपया अनिवार्य रूप से पोत दस्तावेज मिलीज होने से पहले भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक नाम हजारी दिल्ली में जमा कर दिया गया है। विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये पर ब्याज प्रभार की समय-समय पर प्रचलित दर, जो वर्तमान समय में प्रथम 30 दिन के लिए 12 प्रतिशत प्रतिवर्ष है और अधिक अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष है, पर विदेशी संभरक को बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतान की तिथि से वास्तविक रूप से रुपया जमा करने की तिथि तक का हिसाब लगाकर ब्याज सार्वजनिक सूचना 31-मार्च टी सी (पीएन)/83, दिनांक 10-8-1983 के अनुसार मूल भुगतान के साथ-साथ ब्याज प्रभार भी सरकारी लेखों में जमा कराया है। यह भी नोट किया जाए कि ब्याज दोनों दिनों के लिए अर्थात् जिस दिन विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और जिस दिन सरकारी लेखों में रुपया जमा किया जाता है, देय हैं देखिए और सार्वजनिक सूचना सं. 153-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 31-मार्च टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-1983 द्वारा संशोधित सार्वजनिक सूचना सं. 74-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74

संभरक को किए जाने वाले भुगतानों की राशि और तारीख की सुनिश्चित करने के लिए आयातक को अलग से व्यवस्था करनी चाहिए। बैंक आफ इंडिया, टोकियो से आयातक के बैंक द्वारा पोत-परिवहन आदि दस्तावेजों की देनी या विलम्ब से प्राप्ति को, रुपया निक्षेप पर लगने वाले ब्याज की आर्थिक या पूर्ण धनराशि को समाप्त करने का कारण नहीं माना जाएगा।

विदेशी संभरक को किए गए येन भुगतान के समतुल्य रुपये की गणना करने के लिए अपनायी जाने वाली विनियम की दर भुगतान की तारीख को लागू विनियम की वह मिश्रित दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 109-मार्च टी सी (पी एन)/74, दिनांक 26-74 और संख्या 8-मार्च टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 में निर्धारित तरीके के अनुसार निश्चित की गई हो अथवा जो मुख्य नियंत्रक आयात निर्णय की सार्वजनिक सूचना सं. माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के मुद्रा विनियम नियंत्रण परिपत्रों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित की गई हो।

इन संबंध में और ब्याज की दर के सम्बन्ध में भी जब भी कोई परिवर्तन आवश्यक होगा अधिसूचित कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की जिम्मेदारी होगी कि देय धनराशि आयातकों को आयात दस्तावेज मिलने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आयातक को भी यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि देय धनराशि अपने बैंकरो से दस्तावेज देने से पहले सरकारी खाते में ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। देय धनराशि सरकारी खाते में ठीक प्रकार से तुरन्त जमा कर दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आयातक को तब भी जिम्मेदारी होगी जब वे विशेष परिस्थितियों के अन्तर्गत सीमाशुल्क प्राधिकारियों से माल

की सुपुर्दगी देने में पहले जमा नहीं कर पाता तो आगे के लिए उसे प्राधिकार पत्र देना बन्द कर दिया जाए और मामले की रिपोर्ट मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को भी जाए ताकि ऐसे आयातक को आगे और आयात ल दस से जारी न किए जाएं। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूपया निक्षेप किया जाएगा वह "के डिपॉजिट एण्ड ऐडवांसिज-8443-निबिल डिपॉजिट-डिपॉजिटस फार परचेजिंग एटसटा प्रवाड-परचेज अन्डर क्रेडिट/लोन एग्रीमेंटस", लोन प्रोम दि गवर्नमेंट आफ जापान-23.142 विनियम येन क्रेडिट में आई टी पी-52 फार दि रायनून थरमान पावर स्टेशन विस्तार परियोजना होना चाहिए।

6(2) बालान के दाएं कोने में कोड सं. 5130000009 दर्शित हुए उपर्युक्त धनराशि या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया तीस हजारी, दिल्ली में सरकार के क्रेडिट में नकद जमा होनी चाहिए, जैसा कि इस संबंध में समय-समय पर जारी की गई सार्वजनिक सूचनाओं में निर्दिष्ट है।

6(3) सरकार वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा ऐसी मांग किए जाने के बाद सात दिनों के अन्दर सम्बद्ध भारतीय बैंक भी उपर्युक्त निर्धारित तरीके से वह अतिरिक्त धनराशि सेवा खर्च के निमित्त भेजेगा जो वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा मांगी जाए। बालान के विभिन्न कालधो को भरते समय आयातकों/उनके बैंकों को इस बात का मुनिश्चय कर लेना चाहिए कि सार्वजनिक सूचना सं. 112 आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना बालान के कालधो "धन परेषण और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण व्योरे" में निरपवाद रूप से निबिष्ट की गई है। खजाना बालान में निम्नलिखित व्योरे निरपवाद रूप से प्रस्तुत करने चाहिए:—

- (क) वित्त मंत्रालय की प्राधिकार पत्र (ए.पी.) की संख्या और दिनांक।
- (ख) येन मुद्रा की वह धनराशि जिसके सम्बन्ध में प्रगनाई गई परिवर्तन की दर के साथ निक्षेप किए जाने है।
- (ग) विदेशी संभरक को भुगतान करने की तारीख।

तत्पश्चात् सी.ए.ए. एण्ड ए. द्वारा जारी किए गए भुगतान प्राधिकार पत्र का संदर्भ लेते हुए और बीजक तथा पोत परिवहन दस्तावेजों की प्रतियों को संलग्न करते हुए खजाना बालान रूपया जमा करने का साक्ष्य करते हुए पंजीकृत डाक द्वारा सी.ए.ए. एण्ड ए. को भेजा जाना चाहिए।

टिप्पणी:—भारत में आयातक के बैंक के यह निश्चय करना चाहिए कि रुपये का निक्षेप बैंक आफ इण्डिया, टोकियो से आयाती की सूचना और विनियम पोतलवान दस्तावेजों की प्राप्ति 10 दिनों के अन्दर निरपवाद रूप से किया जाना चाहिए और यह कि इसके तत्काल बाद सी.ए.ए. एण्ड ए. वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), दिल्ली को सूचित कर दिया जाएगा।

6(4) भारत में सम्बद्ध बैंक को ल.इसेस की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति पर रूपया निक्षेपों की धनराशि का पृष्ठांकन करना चाहिए और अपेक्षित "एस" प्रपत्र भारतीय रिजर्व बैंक, सम्बद्ध को भेजी जानी चाहिए।

खण्ड-8—विविध प्रावधान

8(1) अनुदान सहायता के उपयोग की रिपोर्ट

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी होने के बाद आयातक को पोतलवानों और उसके अधीन किए गए भुगतानों के संबंध में और जो

पोतलवान होना बाकी है, उनके विषय में एक मासिक रिपोर्ट सी. ए.ए. एण्ड ए., आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, यूको बैंक बिल्डिंग, संसद भवन, नई दिल्ली को भेजनी चाहिए।

8(2) विशेष शर्त के बारे में संभरकों का अग्रानुक्ति करना

आयातक को चाहिए कि वह इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत माल से संबंधित किसी ऐसी विशेष शर्त से सम्भरक को प्रदान करे जो समझौते का पालन करने में संभरकों पर प्रभाव डालनी हो।

8(3) विवाद

यह समझ लेना चाहिए कि आयातक और संभरकों के बीच में यदि कोई विवाद होगा तो उनके लिए भारत सरकार कोई उत्तरदायित्व नहीं लेगी। बैंक आफ इंडिया, टोकियो द्वारा भुगतानों से पूर्व संभरक द्वारा पूरा की जाने वाली शर्त साफ-साफ "भुगतानों के नियमों में" अनुबन्ध-1 में आयातक द्वारा दर्शायी जानी चाहिए। विवादों से निपटने की शर्त ठेके की शर्तों में शामिल होनी चाहिए।

8(4) भाषी अनुदेश

आयात लाइसेंस या उसके संबंध में उठने वाले किसी या सभी मामलों में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए निर्देशों, अनुदेशों या आदेशों का तथा जापान विदेशी आर्थिक सहयोग निधि (ओ.ई.सी.एफ.) के साथ येन क्रेडिट समझौता (परियोजना सहायता) में आई.डी.पी.-52 के अन्तर्गत सभी दायित्वों का आयातक को तुरन्त पालन करना होगा।

8(5) अतिक्रमण और उल्लंघन

उपर्युक्त खण्डों में निर्धारित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उल्लंघन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

8(6) अनुबन्धों की सूची

1. अनुबन्ध-1 पात्र स्रोत देशों की सूची
2. अनुबन्ध-2 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध
3. अनुबन्ध-3 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र
4. अनुबन्ध-4 साखपत्र का प्रथम (प्राप्तियों के लिए लागू)
5. अनुबन्ध-5 साखपत्र का प्रपत्र (सेवाओं के लिए लागू)

उपान्वन्ध—1

पात्र स्रोत देशों की सूची

क. विकासशील देश और क्षेत्र

(क-1) विदेश आर्थिक सहयोग से सहायता प्राप्त देश

1. अफ्रीका, उत्तरी सहारा
मिश्र
मोरक्को
तुनीशिया
2. अफ्रीका, दक्षिणी सहारा
अंगोला
बेनिन
बोतस्वाना
बुरुन्डी
केमरोन
कैप वर्डे द्वीप
मध्य अफ्रीका गणतंत्र

धाह
 कोमोर प्राइलण्ड
 कांगो, दाहासे का गणतंत्र
 इक्वेटोरियल गिनी (1)
 हबोपिया
 जाम्बिया
 याना
 गिनी
 माइबरी कोस्ट
 केन्या
 लोसोथो
 साइबेरिया
 मालागासी गणतंत्र
 मालावी
 माली
 मारिटिमिया, माग्निशस
 मोजाम्बिक
 सेंट हेल्ना और जेप (2)
 सामो टोमो और प्रिंसिपल
 सेनेगल
 सेचिलीज
 सीधरे सिमोन
 सोमालिया
 सूडान
 स्वाजीलैंड
 टोगो, अफर्स और इसात
 टोगो
 यूगान्डा
 तंजानिया गणतंत्र संघ
 अपर वोल्टा
 जाइरे गणतंत्र
 जाम्बिया

3. अमेरिका, उत्तरी और केन्द्रीय
 बहामास
 बरमुडा
 बारबोडोस
 बेसीज
 कोस्टा रीका
 क्यूबा
 डोमिनिकन गणतंत्र
 एल सल्वाडोर
 गुआलोप
 खाटेमाला
 हेटी
 होम्डरस
 जमैका
 मारटीनिको
 नार्थगर
 पुर्तगाली गिनी
 ट्रिनिडद
 रोडेशिया

रवान्डा
 सेंटिको
 नीदरलैंड एन्टीलीज
 निकारागुआ
 पनामा
 सेंट पियरी और मिक्यूलोन
 ट्रिनिडाद और टोबागो

3. अमेरिका उत्तरी और मध्य
 वेस्टइन्डीज (शाखा) एम. प्रयात्

(क) सह-सम्बन्ध राज्य (1)

(ख) प्राश्रित (2)

4. दक्षिणी अमेरिका
 अर्जेन्टीना
 बोसिविया
 ब्राजील
 चिली
 कोलम्बिया
 फाल्क लैंड द्वीप समूह
 फ्रांस गिनी
 गुयाना
 पाराग्वे
 पीरू
 सूरीनाम

5. मध्य पूर्वी एशिया
 बहरीन
 इजराइल
 जार्डन
 लेबनान
 ओमान
 मिराई अरब गणतंत्र
 यूनायटेड अरब एमिरात (3)
 यमन अरब गणतंत्र
 यमन जनवादी गणतंत्र (4)

6. दक्षिण एशिया
 अफगानिस्तान
 बंगलादेश
 भूटान
 बर्मा
 भारत
 मालदीव
 नेपाल
 पाकिस्तान
 श्रीलंका

- (1) फरनाडो पो-औ द्वीप, सहित स्पेन गिनी का प्रवेश।
- (2) निम्नलिखित द्वीप गठित — एन्फेनियन डिस्ट्रेक्ट डी हनएन्सेसियन्स, नाइटिंगेल, गफ।
- (3) मुख्य द्वीप समूह, अरुवा, बोनाइरे, मयूराकाओ, माहा सेन्ट।

- (1) भूप्रदेशीय द्वीप, डोमिनिका, वेनेडा, सेंट किट्स (सेंट क्रिस्टोफो) लोथिय-यमुइला, सेंट लुसिया और सेंट विसेंट।
- (2) सेंट आर्शलण्ड, मोन्तेसरेत, सेमान तुर्क और काइकोम और ब्रिटिश यजित द्वीप समूह।
- (3) भजवन, दुबई, कुवैत, रास अखेमाह, अरजाह और अमजल यमईवान।
- (4) अदन और विभिन्न सल्तनत और अमिरात सहित।

उपबंध-2

7 सुदूर पूर्वी एशिया

बरुनी

हांग कांग

खमेर गणतंत्र

कोरिया गणतंत्र

लाओस

मकाओ

मलेशिया

मिनीपाइन

मिंगापुर

माइवान

थाइलैण्ड

तिमोर

वियतनाम गणतंत्र

वियतनाम जनवादी गणतंत्र

8. ओसिनिया

कुक द्वीप समूह

फिजी

गिल्बर्ट और इलाइस द्वीप

फॉर्मिस पोलिनेशिया (5)

भारू

न्यू कैलेडोनिया

न्यू हेब्रिसिय (प्र. और प्र.)

नियु

बैसिफिक द्वीप समूह (संयुक्त राज्य) (6)

पापुवा न्यू गिनी

सोलोमन द्वीप समूह (आ.)

टोंगा

वालिस और फुतुना

पश्चिमी सामोआ

9. यूरोप

साइप्रस

जिब्राल्टर

ग्रीस

माल्टा

स्पेन

तुर्की

यूगोस्लाविया

(5) मोनाकोई आई लैण्ड स समूह (ताहिनी सहित) को शामिल करते हुए आस्ट्रेल द्वीप समूह, दुआमोटू-गम्बियर गूप और मारक्यूसेम द्वीप समूह।

(6) पैसिफिक द्वीप का ट्रस्ट प्रवेश, कारोलीन द्वीप, मार्शल द्वीप समूह और मैरिन द्वीप समूह (गामा को छोड़कर)।

(क-2) ओ.पी.ई. सी. को सहयोगी देश

अल्जीरिया

बोसनिया

लीबियाई अरब गणतंत्र

मोघोस

नाइजीरिया

इक्वेडोर

बेन्जुएला

इरान

इराक

कुवैत

कतार

सऊदी अरब

आइ-आजी

एन्डोनेशिया

प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए

आवेदन पत्र

संख्या

दिनांक

मेवा मे,

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

शिक्षा मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग,

यू० को० बैंक बिल्डिंग, प्रथम मंजिल,

पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001.

विषय: येन क्रेडिट सं. आई डी पी
के लिए परियोजना सहायता) के प्रस्ताव

(1988

।

-----को-----का आयात

महोदय,

ऊपर उल्लिखित येन क्रेडिट सं. आई. डी पी-----
(परियोजना सहायता) के अधीन-----से-----को
आयात के संबंध में----- (बैंक का नाम)-----जो
कि वही होता चाहिए, जो नीचे (ब) में संयुक्त विदेशी संभरक के नाम में
साख-पत्र खोलने के लिए दिया गया है, के पक्ष में प्राधिकार पत्र जारी करने
के लिए आपको निम्नलिखित ध्येरे प्रस्तुत करता है:-

(क) भारतीय आयातक का नाम और पता।

(ख) आयात लाइसेंस की संख्या, दिनांक और मूल्य और वह तारीख
जिस तक वैध है।(ग) अधिप्राप्ति के तरीके-----क्या वह सीधे क्रय पर
आधारित है या औपचारिक खुली अन्तर्राष्ट्रीय निविदा पर
आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निविदा
करना चाहिए कि क्या संविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी
प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।

(घ) माल का संक्षिप्त विवरण।

(ङ) माल का उद्गम देश।

(च) यदि कोई हो, तो पात्र से इतर स्रोत देशों से आयातित
संबंधकों का प्रतिशत।(छ) संविदा का कुल जहाज पर्यंत निःशुल्क लागत और भाड़ा
मूल्य (येन में)।(ज) यदि कोई हो, तो भारतीय एजेंट के कमीशन की धनराशि
(येन में)।(झ) वार्षिक जहाज पर्यंत निःशुल्क/लागत और भाड़ा मूल्य
(येन में) जिसके लिए प्राधिकार पत्र मांगा गया है।(ञ) विदेशों के संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या एवं
दिनांक।

(ट) विदेशी संभरक का नाम और पता।

(ठ) वे भुगतान शर्तें और संभावित नियमों जिनकी संविदा के
अन्तर्गत भुगतान देय होंगे।

(ड) सुपुर्देगी को पूर्ण करने की प्रत्याशित तिथि।

(ध) बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत
किए जाने वाले दस्तावेज (प्रत्येक सेट की संख्या और उनका
निपटान दिखाते हुए)।(ण) पोतबन्धन अनुदेश, वाहतास्तरण/पार्टे शिपमेंट की अनुमति की
गई है या नहीं, निविदा कीजिए।

(त) भारत से आयातक के बैंक का नाम और पता।

(थ) क्या उसी लाइसेंस के अन्तर्गत संविदा (संविदाएं) कर दी
गई है और जापानी प्राधिकारियों को अधिसूचित कर दिया
गया है, यदि हां तो ऐसी प्रत्येक संविदा की संख्या, दिनांक

और मूल्य और वित्त मंत्रालय का वह संबंध जिसके अंतर्गत ओ.ई.सी.एफ. को अधिसूचित किया गया है।

- (ब) क्या साखपत्र के संचालन और रख-रखाव के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय बैंक खर्च आयातक द्वारा या संब-
टकों द्वारा वहन किए जाने हैं।

- (घ) आयातक द्वारा वचनबद्धता—

"हम एतद्वारा सरकार द्वारा निर्धारित तरीके से और दर से विदेशी संभरकों को किए गए भुगतान के समतुल्य रुपये को पूरा और मंजू जमा करने का वचन देते हैं। प्रत्येक निशेष मान (आयातित सामग्री) की सुपुर्दागी लेने से पूर्व तत्काल ही जमा करा दिया जाएगा। विदेशी संभरकों के संबंधित बीजक हमारे द्वारा अनुमोदित होने ही और उनकी प्रवायगी करते ही विदेशी राष्ट्रीयता की सेवाओं के लिए भुगतानों के मामले में निशेष कर दिए जाएंगे और संभरकों को भुगतान कर दिया जाएगा।

उपाध्व-3

(प्राधिकार पत्र का प्रपत्र)

में

भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

प्राधिकार्य विभाग

नई दिल्ली, दिनांक

सेवा में

बैंक ऑफ इंडिया,

टोकियो शाखा,

टोकियो (जापान)।

विषय: येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) श्रृणु करार सं.

आई.डी.पी.-----के अधीन आयात।

साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ दिनांक 25-3-80 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपको एतद्वारा यथा संलग्न रूपों के अनुसार सर्वश्री -----के नाम में-----येन घन-
राशि के लिए अपरिवर्तनीय साखपत्र खोलने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. आपके बैंक द्वारा खोले गए प्रत्येक साखपत्र की प्रति आयातक क बैंक, ओ.ई.सी.एफ., भारतीय वृत्तायाम, टोकियो और हमें पृष्ठांकित की जाए।

3. साखपत्र की शर्तों के अनुसार प्रारम्भ में संभरकों को भुगतान आपकी निधि से किया जाएगा। आप ओ.ई.सी.एफ. को आवश्यक दस्तावेज भेज कर, किए गए भुगतान की प्रतिपूर्ति का दावा तत्काल करें।

4. विदेशी संभरक को प्रदायगी करने समय आपके द्वारा-----
(आयातक के बैंक का नाम व पता) मूल पोतलदान दस्तावेज (वित्तिय) अनिश्चित पूर्ण दस्तावेजों के सैट के साथ तथा संभरक को की गई प्रदायगी को नामे खोलने की सूचना, तत्काल अदायगी, यदि कोई की गई हो, तो उसकी प्रति भेजे।

5. संभरक को आपके द्वारा किए गए भुगतान की तिथि से ओ.ई.सी. एफ. द्वारा आपको उसकी प्रतिपूर्ति की तिथि तक के बीच के समय के लिए आपको चुकाए जाने योग्य व्याज प्रभार भारत सरकार के लेखे पर प्रभाव डाले बिना सामान्य बैंकिंग स्रोतों के माध्यम से भारत में संबंधित आयातक के बैंक के साथ आपके द्वारा निर्णीत किए जाएंगे। बैंकों के अन्य खर्च जिसमें साखपत्र खोलने, रखरखाव करने और गारण्टियों के संचालन और सौदा संबंधी दस्तावेजों के संचालन से संबंधित और यदि कोई हो, तो विदेशी संभरकों के बैंकों के खर्च भी विदेशी संभरक/आयातक को ही देने पड़ेंगे और इसलिए उन्हें सीधे ही संभरक/आयातक से प्राप्त किया जाए। इस प्रकार के भुगतानों की प्रतिपूर्ति का दावा ओ.ई.सी.एफ. से नहीं किया जाएगा।

6. जैसे ही आपके द्वारा कोई भुगतान किया जाए और उसकी प्रतिपूर्ति आपको कर दी जाए तो उसकी सूचना निर्धारित पत्र में इस मंत्रालय को भेज दी जानी चाहिए।

7. यह प्राधिकार पत्र विदेशी संभरकों के नाम में साखपत्र खोलने के लिए है। साखपत्र में वाद में किए जाने वाले मंगोशन या प्राधिकार पत्र के मुद्दे भविष्य में साख-पत्र इस मंत्रालय से विशेष प्राधिकार प्राप्त किए बिना वैध नहीं होंगे।

8. यह प्राधिकार पत्र-----तक वैध रहेगा।

9. कृपया इस करार से संबंधित सभी पत्राचार और भुगतान का उल्लेख करने वाले सूचना पत्र में इस अनुदेश पत्र के शीर्ष पर दी गई संख्या का उल्लेख करें।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :-

1. आयातक-----को उसके पत्र सं-----दिनांक के
-----के संदर्भ में।

उनसे अनुरोध है कि बैंकों से विविध दस्तावेजों की द्वितीयरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकों के माध्यम से रुपया निशेष प्राप्ति जमा कराने का प्रबंध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की द्वितीयरी सीधे ही सीमाशुल्क और पत्र प्राधिकारियों से मूल पोतलदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो द्वितीयरी लेने से पूर्व ही निशेष किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रीयों द्वारा की गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे हो संबंध जोड़त भुग-
तान के लिए अनुमोदित हो जाए, निशेष कर दिए जाएं। निशेष जल्दी ही और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथा उल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2(1) आयातक के बैंक-----। यह आयात लाइसेंस सं-----दिनांक----- के संदर्भ में है। यह प्राधिकार पत्र येन क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शामिल करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया जाता है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं/आदेशों की देखी और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्रवाई करें।

2(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों को चुकाई गई घन-
राशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं. 8आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना जो समय-समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिवर्तन की निश्चित दर पर की जाएगी। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और इससे अधिक अवधि के लिए 18% वार्षिक दर से व्याज जोकि संभरक को भुगतान की तारीख/ बैंक ऑफ इंडिया, को प्रतिपूर्ति की तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपया भारत सरकार के लेखों में जमा किया जाए उन दो अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/85, दिनांक 10-8-83 के अनुसार भारत सरकार के लेखे में जमा कराना है। व्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसकी विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में रुपया जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा)। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सीमाशुल्क निकासी के लिए आयात दस्तावेजों का मूल सैट दिए जाने से पूर्व यह घन-
राशि जमा की जानी है।

वे घनराशियां या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारी में खालान के बाहिनी और कोड सं. 5130000009 दशति हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक

सूचना सं. 184-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 30-8-68 तथा 233-आई टी सी (पी एन)/68, दिनांक 24-10-1968, 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971, सं. 74-आई टी सी (पी एन) 74, दिनांक 31-5-1974 तथा सं. 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों की ओर विन्यास जाता है। इस लेखा शीर्ष में रुपया जमा कराना है "क्रेडिटर्स एंड एडवांसिंग 843-सिविल डिपॉजिट्स-डिपॉजिट्स फार परचेजिंग एटसेट्स अवरोड प्रेडर पर-सेजिंग क्रेडिट/लोन एप्रोमेंट्स" लोन फोम द गवर्नमेंट ऑफ जापान-विलियम येन क्रेडिट (परियोजना सहायता) स. आई टी सी-फार 1988 है।

जिन मामलों में मुख्य रुपया रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारी दिल्ली में सार्वजनिक सूचना सं. 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में जालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजी जानी चाहिए, जिस के साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अभिप्रेषण पत्र होना चाहिए।

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),
पहली मंजिल, यूको बैंक बिल्डिंग,
संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001.

जिन मामलों में मुख्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित बरती हुई द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में, जमा किए गए मुख्य रुपये का पूरा स्वीरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

2. संभरक को भुगतान करने की तिथि और ओ.ई.सी.एफ. द्वारा बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को उसकी अदायगी की तिथि के बीच की अवधि के लिए बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो को देय व्याज प्रभार बैंक सूची के माध्यम से भारत सरकार को लेखे पर प्रभाव डाले जिन वक ऑफ इंडिया के साथ आप के द्वारा सीधे निर्णीत किए जाएंगे।

3. निदेशक, ऋण विभाग-2 विदेशी आर्थिक सहयोग निधि टोकियो गोष्टो बिल्डिंग, 4-1 ओहटेमासी-1 कोने, चियोडा कृ. टोकियो 100, जापान भारतीय दूतावास टोकियो।

5. अवर सचिव, जापान-अनुभाग, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग नई दिल्ली।

(लेखा अधिकारी)

उपाध्यक्ष-4

प्रपत्र ओ.ई.सी.एफ.एल.सी.-1

अपरिवर्तनीय साखपत्र
(माल के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

यह साखपत्र (ऋणी) और विदेशी आर्थिक सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार संख्या-_____दिनांक _____के अनुसरण में जारी किया गया है।

महोदय,

हम आपको सूचित करते हैं कि हमारे नाम में भेजे गए आपके पूरे बीजक मूल्य के लिए आप के साइट ड्राफ्टों द्वारा उपलब्ध रकम या रकमों के लिए हमने आपके पक्ष में अपरिवर्तनीय साखपत्र सं-_____(अर्थात् येन) की कुल धनराशि से अधिक नहीं जिसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होने चाहिए: हस्ताक्षरित पूर्ण वाणिज्यिक बीजक, पोत परिवहन निबंध सदान बिल जिसमें दिए गए आदेशों का पूरा

सैट हो, कनैड पुष्कलित एवं विहित "फ्रेट एवं नोटिफाई" अंकित किए हुए अन्य दस्तावेज।

जिनमें पोतलदान (माल के लदान का संक्षिप्त विवरण) को प्रमाणित करने हुए, संविदा सं-_____(यदि कोई हो) के संदर्भ में _____से _____तक आर्थिक पोतलदान स्वीकृत है। वाहनतरण स्वीकृत है। लदान बिल _____के बाद ही तिथि का नहीं होना चाहिए। ड्राफ्ट _____तक लेन-देन के लिए अवश्य प्रस्तुत किए जाने चाहिए। इस ऋण के अंतर्गत सभी ड्राफ्ट तथा दस्तावेजों पर (अपरिवर्तनीय साखपत्र सं-_____-दिनांक _____के अंतर्गत आहरण किया गया और आयात संदर्भ सं-_____-संख्याएं, यदि कोई हो) अंकित होना चाहिए। यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत और इसकी शर्तों के अनुपालन में हमारे नाम में भेजे गए सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आदेशों को दस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार किए जाएंगे।

जब तक अन्यथा रूप से उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार डॉक्यूमेंट्री क्रेडिटस (1974 रिवीजन) इंटर-नैशनल चैम्बर ऑफ कामर्स, पब्लिकेशन नं. 290" के अधीन है। लेन-देन करने वाले बैंक के लिए विशेष अनुदेश :-

1. उपर्युक्त ऋण करार के अंतर्गत विदेशी आर्थिक सहयोग निधि द्वारा जारी किए गए वचनबद्धता पत्र की व्यवस्थाओं के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से अपने भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम वचन देते हैं कि हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की धनराशि को सीटा देंगे।

2. लेन-देन करने वाले बैंक को यह बताने हुए हमें ड्राफ्ट और दस्तावेजों का एक पूर्ण सैट और उनके साथ प्रमाणपत्र अद्वय भेजना चाहिए कि शेष दस्तावेज सीटों ही हवाई डाक द्वारा। _____को भेज दिए गए हैं।

3. इस क्रेडिट के अंतर्गत सभी बैंक के स्वयं आयातक/संभरक के खाते से देय है।

अवधीय,

()

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा _____

प्राधिकृत हस्ताक्षर

भुगतान अनुपूर्वी

यह भुगतान अनुसूची हमारे राजपत्र सं-_____-का एक अभिन्न अंग है।

1. प्रारंभिक भुगतान

धनराशि _____येन जो कुल संविदा मूल्य का _____प्रतिशत है। अपेक्षित दस्तावेज: _____हिताधिकारी का विवरण प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख।

2. भुगतान प्रगति

संपूर्ण योग: धनराशि _____येन जो कुल संविदा का मूल्य _____प्रतिशत है जिसका भुगतान निम्नप्रकार से किया जाना है:-

देय धन राशि _____प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि

पहली किस्त येन-_____

दूसरी किस्त येन-_____

अपेक्षित दस्तावेज- (अथवा उसके मनोनीत प्राधिकारी) द्वारा जारी किए गए निष्पादन के विवरण की एक प्रति जिसका एक प्रपत्र संलग्न है।)

निष्पादन का विवरण

उपबन्ध—5

दिनांक

प्रपत्र ओ ई सी एफ-एल सी-2

संदर्भ

अपरिवर्तनीय साख-पत्र
(सेवाओं के लिए लागू)

दिनांक

सेवा में

सेवा में,

यह साखपत्र (ऋणी और विदेशी आर्थिक
सहयोग निधि के बीच हुए ऋण करार)
सं. _____

(संस्करण का नाम और पत्रा)

दिनांक _____

के अनुसरण में जारी किया गया है ।

(संस्करण का नाम और पत्रा)

प्रिय महोदय,

हम आपको सूचित करते कि हमारे नाम पर पूर्ण उल्लिखित मूल्य के लिए हिताधिकारी के ड्राफ्ट एंड साइट द्वारा उपलब्ध रकम जिसकी कुल धनराशि _____ (येन से अधिक नहीं है) के लिए आवेक के नाम में हमने अपरिवर्तनीय साखपत्र _____ खोल दिया है।

इसमें इसके साथ संलग्न भुगतान अनुसूची के अनुसार अपेक्षित परियोजना के संबंध में ठेका सं. _____ से संबंधित वस्तावेज होने चाहिए। लेन देन के लिए ड्राफ्ट _____ से पहले प्रस्तुत किए जाने चाहिए।

सभी ड्राफ्ट और वस्तावेजों पर "अपरिवर्तनीय क्रेडिट सं. _____ के अंतर्गत ड्रान" लिखा होना चाहिए।

यह क्रेडिट हस्तांतरणीय नहीं है।

हम एतद्वारा वचन देते हैं कि इस क्रेडिट के अंतर्गत इसकी शर्तों का अनुपालन करके सभी ड्राफ्ट प्रस्तुत करने पर और आवेदितों को वस्तावेजों की सुपुर्दगी पर विधिवत् स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

जब तक प्रत्यक्षा रूप से विस्तारपूर्वक उल्लेख न किया जाए यह क्रेडिट "यूनिफार्म कस्टम एंड प्रेक्टिस फार बाक्युमेंटरी क्रेडिट्स (1974 रिबीजन) इंटरनेशनल बैंक ऑफ कॉमर्स और कामर्स ग्रीशर नं. 290" के अधीन है।

लेन देन करने वाले बैंक को विशेष अनुदेशः—

1. इसमें संलग्न प्रपत्र के अनुसार (ऋणी और इसके समोतीत अधिकाारी) द्वारा जारी किये गए निष्पादन के मूल विवरण की प्राप्ति के पश्चात् हम क्रेडिट के अंतर्गत भुगतान इसमें संलग्न शीट में निर्धारित भुगतान अनुसूची के अनुसार किये जाने चाहिए। प्रारंभिक भुगतानों के मामले में उपर्युक्त निष्पादन के विवरण के बजाए हिताधिकारी का विवरण अपेक्षित है।
2. ऊपर उल्लिखित ऋण समशीते के अधीन जारी किए गए वचनबद्धता पत्र के उपबंधों के अनुसार विदेशी आर्थिक सहयोग निधि से भुगतान के लिए प्रतिपूर्ति प्राप्त करने के बाद हम लेन-देन करने वाले बैंक द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार ड्राफ्टों की राशि परेषित करने का वचन देते हैं।
3. उपर्युक्त मंत्र 1 में यथा उल्लिखित वस्तावेजों की एक प्रति और ड्राफ्ट उनकी प्राप्ति के तुरन्त बाद ही हमें भेजे जाएंगे।
4. इस साखपत्र के अंतर्गत बैंक के सभी खर्चें आयामकों/संस्करणों के खाते में देय हैं।

सचिवीय

वाणिज्यिक बैंक

द्वारा _____

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

(सूची)

द्वारा _____

(प्राधिकृत हस्ताक्षर)

विशेष अनुदेशः

वास्तविक निष्पादन का विवरण इसमें संलग्न पत्र में दर्शाया जाएगा।
भुगतान शर्तें

यह भुगतान शर्तें हमारे साखपत्र सं. _____ का एक भिन्न अंग हैं।

1. प्रारंभिक भुगतान
धनराशि _____ येन
कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेजः

अंतिम भुगतान तिथिः

1. मध्यस्थ भुगतान (यदि कोई हो)
धनराशि _____ येन
कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

अपेक्षित वस्तावेजः

प्रस्तुत करने की अंतिम तिथिः

3. पोत परिवहन वस्तावेजों के मुद्दे भुगतान
धनराशि _____ येन
कुल संविदा मूल्य का _____ प्रतिशत है।

टिप्पणी: यह अंतिम शीट पोत परिवहन वस्तावेजों के मुद्दे पूर्ण भुगतान के मामलों में अपेक्षित नहीं है।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

PUBLIC NOTICE NO. 138-ITC(PN)/88-91

New Delhi, the 7th July, 1989

Subject—Licensing conditions in respect of import of equipments and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.52 dated 15-12-1988 for Yen 23,142 Billion for the Implementation of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project of Karnataka Power Corporation (M/s. KPCL) extended by the overseas economic cooperation fund (OECF) of Japan.

File No. IPC/23(52)/88-91.—The terms and conditions governing imports equipments and services under the Yen Credit Loan No. ID-P.52 dated 15-12-1988 for Yen 23,142 Billion for the Implementation of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project (1×210 MW) of Karnataka Power Corporation (M/s. KPCL) extended by the overseas economic cooperation fund (OECF) of Japan, as given in Appendix to this Public Notice are notified for information.

TEJENDRA KHAMANA, Chief Controller of Imports and Exports

LICENSING CONDITIONS IN RESPECT OF IMPORTS OF EQUIPMENTS AND SERVICES UNDER THE YEN CREDIT LOAN NO. ID-P.52 dated 15-12-88 FOR YEN 23,142 BILLION FOR THE IMPLEMENTATION OF THE RAICHUR THERMAL POWER STATION EXPANSION PROJECT OF KARNATAKA POWER CORP. (M/S. KPCL) EXTENDED BY THE OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND (OECF) OF JAPAN

Section I—General Conditions

I (i) The Yen Credit of 23,142 Billion extended by the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) for financing the import requirement of the Raichur Thermal Power Station Expansion Project of M/s. KPCL is united in favour of Japan and developing countries including India. Accordingly the goods and services to be procured under this credit can be procured from Japan and all countries (including India) enumerated in the list at Annexure-I which will be eligible source countries under the credit.

I (ii) Import Licence(s) under the Credit can be issued only for such items and for such value as have been specifically cleared by the DGTD/CG Committee. The value of import licence(s) issued under this credit should not exceed Yen 25,456 billion (CIF).

The rupee value of the import licence shall be determined with reference to the exchange rate notified by the Department of Revenue (Customs) and prevailing on the date of issue of the import licence and indicated in the body of the import licence(s) as per para 2 of the Public Notice No. 78-ITC(PN)/74 dated the 6th June, 1974, issued by the CCI&E, which also enjoins that the Customs Authorities and the authorised dealers in foreign exchange will make debits to the value of the licence(s) at the exchange rate specified on the import licence(s). The licence will bear the superscription "Japanese Yen Credit No. ID-P.52". The first and second suffix to the licence code will be "S/JC". This will also be repeated in the letter from CCI&E forwarding the import licence to M/s. KPCL a copy of which should be endorsed to the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Japan Section).

I (iii) Import Licence(s) can be issued only in favour of M/s. KPCL on CIF basis.

I (iv) Depending on the convenience of importer more than one import licence may be issued under this credit, but the total value must not exceed Yen 25,456 billion (CIF) as specified at (ii) above.

I (v) The extension of the validity of the import licence, may on application by importer, be granted upto a further 1880 GI/89-3.

period of 12 months. Any request for further extension/issue of a fresh import licence may be referred to the Department of E.A. (Japan Section).

I (vi) Imports to be financed under the Credit are restricted to the list of goods and services attached to the import licence, duly attested by the licensing authorities.

I (vii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence. Any payment towards Indian Agents's commission should be made in Indian Rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, therefore, be charged to the licence.

I (viii) Firm order must be placed on FOB/C&F basis on the Overseas supplier located in the countries mentioned in Annexure-1 and sent to the Department of Economic Affairs (Japan Section) within 4 months from the date of issue of the import licence. Insurance charges will be payable in India in Indian Rupees. "Firm orders" means purchase orders placed by the Indian Licencee on the Overseas supplier duly signed by the latter or purchase contract duly signed by both the Indian Importer and the overseas supplier. Orders on Indian Agents of overseas suppliers and/or order confirmation of such Indian Agents are not acceptable.

I (ix) This condition of the placement of contracts within 4 months period will be treated as not having been complied with unless complete contract documents reach the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs (Japan Section) within four months from the date of issue of the import licence. If firm orders as explained in para I (viii) above cannot be placed within four months for valid reasons, the licensee should submit the import licence to the concerned licensing authorities giving reasons why ordering could not be completed within four months. Such requests for extension in the ordering period will be considered on merit by the licensing authorities who may grant extension upto a further maximum period of 4 months. If, however, extension is sought beyond 8 months from the date of issue of the import licence such proposals will invariably be referred by the Licensing authorities to the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, North Block, New Delhi who will consider such extension on the merits of each case and communicate their decision to the licensing authorities for communication to the licensee. Only on production by the licensee of a letter from the licensing authorities sanctioning such extension will be authorised dealers and departmental authorities permit the facility of letter of authority for the establishment of letter of credit, acceptance of deposits of the rupee equivalent, etc. in respect of supply contracts entered into under the import licence.

I (x) All payments must be completed within 4 months from the expiry of the import licence. Individual payments must be arranged upon shipment of goods. The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents. No credit facility of any kind will be permitted to be availed of by the Indian importer from the Overseas supplier. The contract should provide for the period of delivery of goods as follows :—

"..... Months after the receipt of Letter of Credit but to be completed latest by the end of"

In fixing the terminal date for shipment it should be noted that this date should not be beyond 31-12-92.

Section II—Special points to be kept in view while negotiating a supply contract.

II (i) The FOB/C&F value of the contract should be expressed in Yen (Fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's commission, if any, which should be paid in Indian rupees.

In no circumstances the contract value should be expressed in Indian rupees or in any other currency. The purchase order and the supplier's order confirmation should be in English only.

II (ii) Procurement of all goods and services to be financed out of the proceeds of the loan shall be made in accordance with following supplemental stipulations :—

- (a) In case of procurement of goods and services of value estimated to be not less than 500 million Yen.
- (i) Prior approval of OECF shall be obtained if it is proposed to adopt procurement procedure other than the Open International Tendering with Pre-qualification, submitting to OECF an application for approval of procurement method.
- (ii) Prior to issuing a notice of award to successful bidder, the application for approval of award with bid evaluation report shall be submitted to OECF for review and concurrence alongwith the above application for approval of award and bid evaluation, the tender documents etc. will also be submitted to OECF for its reference.
- (b) In case of procurement of goods and services of value estimated to be less than Yen 500 million prior approval of OECF is not required for award of contract, however, if OECF requests, the tender evaluation reports etc. will be submitted to OECF for its review.

II (iii) The payment to the overseas supplier should be arranged through an irrevocable letter of credit to be opened by the Bank of India, Tokyo in their favour under the OECF Yen Credit (Project Aid) No. ID-P.52 for 1988-89 the details of which are given in Section VII below.

II (iv) Only one contract should be entered into against the import licence. In exception cases, more than one contract may be permitted to be entered into, for which prior approval of the Department of Economic Affairs (Japan Section), Ministry of Finance, should be obtained soon after the date of issue of the import licence.

II (v) Eligibility of Supplier

The Supplier shall be nationals of the eligible source countries, or juridical persons incorporated and registered in eligible source countries and which have their appropriate facilities for producing or providing the goods and services in the eligible source countries and actually conduct their business there.

II (vi) Permissible imports from non-eligible source countries.

Financing of goods which contain materials originating from a non-eligible source country or countries may be made, provided that the imported portion is less than fifty percent (50%) of the price per unit of such products in accordance with the following formulae :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{Supplier's FOB price}}$$

(in case of Indian Supplier, Ex-factory Price shall be adopted)

II (vii) Declaration in Contract

The following declaration as to the eligibility of the goods and supplier, signed and dated by the supplier, shall be added to each contract.

"I the undersigned, hereby certify that the goods to be supplied are produced in _____ (name of eligible source country).

I the undersigned, further certify that to the best of my information and belief, the portion imported from the non-eligible source countries is less than fifty percent (50%) in accordance with the following formula :

$$\frac{\text{IMPORTED CIF PRICE} + \text{IMPORT DUTY} \times 100}{\text{Supplier's FOB Price}}$$

(Where applicable Ex-factory price)

"I, the undersigned, hereby certify that _____ (Name of company) has been incorporated and registered in

_____ (name of eligible source country), has its appropriate facilities for producing or providing the goods and services in _____ (name of eligible source country) and actually conducts its business there.

Section III—Conditions to be incorporated in the supply contracts.

III (i) The following provisions should be specifically embodied in the supply contract :

- (a) The contract is arranged in accordance with the Loan Agreement between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF) dated 15th December, 1988 concerning the Yen Credit No. ID-P.52 (Project Aid) for the Raichur Thermal Power Station Expansion Project.
- (b) Payments to the Supplier shall be made through an irrevocable letter of Credit to be issued by the Bank of India, Tokyo, under the Loan Agreement No. ID-P.52 dated 15-12-88 between the Government of India and the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).
- (c) The suppliers agree to furnish such information and documents as may be required under the Yen Credit arrangements by the Government of India on the one hand and the OECF on the other.
- (d) Certificates (triplicate) in the forms indicated in II (vii) above.
- (e) In case the supplier is located in Japan, the supply contract should contain a clause that the Japanese Supplier agrees to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo, informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India atleast six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements could be made. In exceptional cases, where the Indian Importers require it, this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section IV—Review of Contract by OECF

IV (i) Within stipulated period for placement of firm orders, the licensee should forward 4 copies of the contract duly signed by both the importers and the supplier supported by order confirmation in writing by the supplier or their photocopies complete in all respects, together with two photocopies of the relevant and valid import licence and two copies of the "Request for issue of L.A." in the form in Annexure II to the Department of Economic Affairs.

IV (ii) The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of the contracts or in its price.

IV (iii) The Ministry of Finance (Department of EA) will send Notice of conclusion of Contract alongwith a copy of the contract to OECF for its review. A copy each of the Notice of Conclusion of Contract accompanied by the contract will also be sent by Department of E.A. to Embassy of India, Tokyo and Office of CAA&A alongwith one copy each of "Request for issue of L.A." and photocopy of import licence.

Section V—Payment to the Overseas suppliers—Letter of Credit Procedure.

V(i) On receipt of the Notice of Conclusion of contract and contract document from the Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, the CAA&A will issue a letter of authorisation as in the form attached as Annexure-III addressed to the Bank of India, Tokyo for opening an irrevocable Letter of Credit as in the form attached at Annexure-IV (for imports) or Annexure-V (for services) in favour of the overseas supplier concerned. Copies of the Letter of Authorisation will be endorsed to the OECF, the Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India, and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

V (ii) On receipt of the letter of authority, the Bank of India, Tokyo, will establish an irrevocable letter of credit as per Annexure-IV (applicable to imports) or V (applicable to services) in favour of the Overseas suppliers concerned and will also forward a copy of the same to the OECF, Embassy of India, Tokyo, the importer's bank in India and the CAA&A.

The above procedure of opening of letters of credit on the basis of the letters of authority from CAA&A would ipso facto apply to all such amendments to letter of authorisation/letter of credit as may become necessary due to contract amendment or otherwise.

V (iii) The overseas supplier shall, after effecting shipment of goods, present through his bankers the documents specified in the letter of credit to the Bank of India, Tokyo which will release the amount specified in the documents to the overseas supplier through his bankers and will thereafter obtain reimbursement of the said amount from the OECF.

V (iv) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for opening the letter of credit, for negotiations thereunder charges if any of overseas suppliers' bankers are to be borne by the importer/overseas suppliers. A letter of commitment will be issued by the OECF on receipt of an amount equal to one-tenth percent (0.1%) of the contract value. This amount will be paid to itself from the loan/funds by OECF.

The importer is required to deposit into the Government of India account the rupee equivalent of this letter of commitment changes on receipt of intimation of the payment from OECF or from the Controller of Aid Accounts, Ministry of Finance. Interest from the date of payment to OECF to the date of rupee deposit (both dates inclusive) at prevailing rates will also have to be paid by the importer.

A similar charge of 0.1% is payable by the importer under the reimbursement procedure also. Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the period counting from the date of payment of the cost of imports by them to the overseas suppliers to the date of reimbursement by the OECF, shall be settled by the concerned importers bank of India by remittance to the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

V(v) Reimbursement Procedure

Procedure for disbursement of the proceeds of the loan for the purchase of goods and services from Indian Suppliers shall be in accordance with REIMBURSEMENT PROCEDURE attached to the loan agreement.

Section VI—Responsibility for rupee deposit :—

VI (i) The Bank of India, Tokyo will forward the negotiable shipping documents to the accredited bankers of importer as indicated in the Appendix to the relevant Letter of Authority and the bankers will in turn ensure that the rupee deposits are invariably made at RBI, New Delhi or S.B.I., Tis Hazari, Delhi, before releasing the shipping documents. Interest charges on the rupee-equivalents of the Yen payments calculated at the rate prevailing from time to time, the present rate being 12 per cent per annum for the first 30 days and @ 18% per annum for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Overseas supplier to the date of actual rupee deposit, have also to be deposited along with the principal payment, in terms of Public Notice No. 31-ITC (PN)/83 dated 10-8-1983. It should be noted that interest is chargeable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Supplier and also the day on which rupee deposit is made in Government Account Vide Public Notice No. 74-ITC (PN)/74, dated 31-5-1974 as modified under public Notice No. 103-ITC (PN)/76, dated 12-10-1976 and Public Notice No. 31-ITC (PN)/83, dated 10-8-1983.

The importer should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping etc. documents

by the importers Bankers from Bank of India, Tokyo will not be acceptable as reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payments made to the overseas supplies will be the composite rate of exchange applicable to the date of payment which will be worked out in accordance with the method prescribed in Public Notice No. 109-ITC (PN)/74, dated 3-8-1974 and 8-ITC (PN)/76, dated 17-1-1976 or as may be notified by Government from time to time through Public Notices of the CCI&E or through Exchange Central circulars of the Reserve Bank of India.

Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian Bank concerned to ensure that the amount due are correctly deposited into Government account before the import documents are handed over to the importers. The importers should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their Bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amount due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importers fail to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further IAS to him may be stopped and the matter reported to the CCI & E so that no further import licence is issued to such an importer. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-Deposits and Advances-843—civil Deposits—Deposits for purchase etc. abroad—Purchase under credits/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—23.142 Billion Yen credit No. ID-P. 52 for the Raichur Thermal Power Station Expansion Project.

VI (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or State Bank of India, Tis Hazari, Delhi as contemplated in Public Notices issued from time to time in this regard.

VI (iii) The concerned Bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, on account of service charges within seven days after such a demand is made by Ministry of Finance (Department of Economic Affairs). While filling in the various columns in the challan it should be ensured by the importers/their bankers that the information prescribed in para 2 of Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the treasury challans :—

- (a) Ministry of Finance letter of authority No. and date.
- (b) Amount of Yen currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- (c) Date of payment to the overseas supplier.

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the letter of authorisation issued by him and also enclosing copies of the invoice and shipping documents.

Note :—Importer's Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payments and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A Ministry of Finance (DEA), New Delhi is kept informed of the fact immediately thereafter.

VI (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section VIII—Miscellaneous Provisions

VIII (i) Reports on utilisation of the import licence :—

The importer should send a monthly report, after the letter of credit has been opened regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, UCO Bank building, Parliament Street, New Delhi.

VIII (ii) Notifying Suppliers of Special Conditions :—

The licences should apprise the supplier of any special provisions in the import licence which may effect the Suppliers in carrying out the transaction.

VIII (iii) Disputes :—

It should be understood that the Government of India, will not undertake any responsibility for disputes, if any, that may arise between the licensee and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-II under "Terms of Payment" Provisions dealing with settlement of disputes should be included in the conditions of contract.

VIII (iv) Future Instructions.—The licensee shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the import licence and for meeting all obligations under the Yen Credit Agreement (Project Aid) No. ID-P-52 with the Overseas Economic Cooperation Fund of Japan (OECF).

VIII (v) Breach or violation.—Any breach or violation of the conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

VIII (vi) List of Annexures :

Annexure—I : List of eligible source countries.

Annexure—II : Request for issue of Letter of Authority.

Annexure—III : Form of Letter of Authority.

Annexure—IV : Form of Letter of Credit (Applicable to imports).

Annexure—V : Form of Letter of Credit (Applicable to Services).

ANNEXURE—I

LIST OF ELIGIBLE SOURCE COUNTRIES

A. DEVELOPING COUNTRIES AND TERRITORIES

(a) NON-OPEC DEVELOPING COUNTRIES

I. AFRICA, North of Sahara

Egypt
Morocco
Tunisia

II. AFRICA, South of Sahara

Angola
Benin
Botswana
Burundi
Cameroon
Cape Verde Islands
Central African Rep.
Chad
Comoro Islands
Congo, People's Republic of Dahomey
Equatorial Guinea (1)
Ethiopia
Gambia

(1) formerly the territory of Spanish Guinea, including the island of Fernando PO.

Ghana
Guinea
Ivory Coast
Kenya
Lesotho
Liberia
Malagasy Republic
Madawi
Mali
Mauritania, Mauritius
Mozambique
Niger
Portuguese Guinea
Reunion
Rhodesia
Rwanda
St. Helena and dep (2)
Sao Tomo and Principe
Senegal
Seychelles
Sierra Leone
Somalia
Sudan
Swaziland
Togo, Afars and
Issas
Togo
Uganda
Un. Rep. of Tanzania
Upper Volta
Zaire Republic
Zambia

III. AMERICA, North and Central

Bahamas
Barbados
Belize
Bermuda
Costa Rica
Cuba
Dominican Republic
El Salvador
Guadeloupe
Guatemala
Haiti
Honduras
Jamaica
Martinique
Mexico
Netherlands Antilles
Nicaragua
Panama
St. Pierre & Miquelon
Trinidad and Tobago

III. AMERICA, North and Central

West Indies (Br.) n.i.e.

(a) Associated States (1)
(b) Dependencies (2)

(2) Including the following islands : Ascension, Tristan da Inaccessibles, Nightingale, Gough.

(3) Main islands, Aruba, Bonaire, Curacao, Saba St.
1. Main Islands : Antigua, Dominica, Grenada, St. Kitts (St. Christopher), Nevis-Anguilla, St. Lucia and St. Vincent.

2. Main Islands : Montserrat, Cayman, Turks and Caicos, and British Virgin Islands.

IV. AMERICA, South

Argentina
Bolivia
Brazil
Chile
Colombia
Falkland Islands
French Guiana
Guyana
Paraguay
Peru
Surinam

V: ASIA, Middle East

Baharain
Israel
Jordan
Lebanon
Oman
Syrian Arab Republic
United Arab Emirates (3)
Yemen Arab Republic
Yemen, People's D.R. (4)

VI. ASIA, South

Afghanistan
Bangladesh
Bhutan
Burma
India
Maldives
Nepal
Pakistan
Sri Lanka

VII. Asia, Far East

Brunel
Hong Kong
Khmer Republic
Korea, Republic of Lao
Macao
Malaysia
Phillippines
Singapore
Taiwan
Thailand
Timor
Viet-Nam, Rep. of
Viet-Nam, Dem. Rep.

VIII. OCEANIA

Cook Islands
Fiji
Gilbert & Ellice Is.
French Polynesia (5)
Nauru
New Caledonia
New Hebrides (Br. and Fr.)
Niue
Pacific Islands (U.S.) (6)
Papua New Guinea

Solomon Islands (Br.)

Tonga

Wallis and Futuna

Western Samoa

IX. EUROPE

Cyprus
Gibraltar
Greece
Malta
Spain
Turkey
Yugoslavia

(a2) Member of Association Countries of OPEC

Algeria
Bolivia
Libyan Arab Republic
Gabon
Nigeria
Ecuador
Venezuela
Iran
Iraq
Kuwait
Qatar
Saudi Arabia
Abu Dhabi
Indonesia.

ANNEXURE-II

REQUEST FOR ISSUE OF THE LETTER OF AUTHORITY

No.

Date.

To

The Controller of Aid Accounts & Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
UCO Bank Building, 1st Floor,
Parliament Street,
New Delhi-110001.

Subject.—Import of ———— from ———— under the
Yen Credit No. ID-P. ———— (Project Aid for 1988)
Sir,

In connection with the import ———— from ————
under the above mentioned Yen Credit No. ID-P. ————
(Project Aid) we furnish the following particulars to enable
you to issue the Letter of Authority to the ———— (name
of the Bank) which should be the same as given in (P)
below for opening a letter of credit in favour of the over-
seas supplier concerned.

(a) Name and Address of the Indian importer.

(b) Number, date and value of the import licence and date upto which it is valid.

(c) Method of procurement—whether it is based on direct purchase or formal Open International tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.

(d) Brief description of the goods.

(e) Origin of the goods.

(f) Percentage of the import components from non-eligible source countries, if any.

(g) Gross FOB/C&F value of contract (in Yen).

(h) Amount of Indian agents commission (in Yen), if any.

3. Aiman, Dubai, Fujairah, Ras al Khaimah Sharjah and Umm al Quaiwain.
4. Including Aden and Various sultanates and emirates.
5. Comprising the Society Islands (including Tahiti) The Austral Islands, the Tuamotu-Gambler Group and the Marquesas Islands.
6. Trust Territory of the Pacific Islands : Caroline Islands Marshall Islands, and Marine Islands (except Guam.)

- (i) Net FOB/C&F value (in Yen) for which the Letter of Authority is required.
- (j) Number and date of the contract with overseas suppliers.
- (k) Name and address of the Overseas Supplier;
- (l) Payment terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (m) Expected date of completion of deliveries.
- (n) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (o) Shipment instructions (indicate if trans-shipment/part-shipment permitted or not permitted).
- (p) Name and address of the importer's bank in India.
- (q) Whether a contract(s) under the same licence has been placed and notified to the Japanese authorities, and if so, the No., date and value of each such contract and the reference of the Ministry of Finance under which it has been notified to the OECF.
- (r) Whether the banking charges payable to Bank of India, Tokyo for operation and maintenance of Letter of Credit are to be borne by the Importers/ or Supplier.
- (s) Undertaking by the importer :—

"We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc. of the payment made to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to the suppliers".

ANNEXURE-III

(Letter of Authority Form)

No. F. _____

Government of India

Ministry of Finance

Department of Economic Affairs

New Delhi, the _____

To,

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan)

Subject.—Import under Yen Credit (Project Aid) Loan Agreement No. 1D-P. _____ Issue of Letter of Authority for opening Letter of Credit

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 25th March, 1980—entered into with your Bank, you are hereby authorised to open irrevocable Letter of Credit for an amount not exceeding Yen _____ favouring M/s. _____ as per attached details.

2. A copy each of the letter of credit opened by your Bank may be endorsed to the importer's Bank, to the OECF Embassy of India, Tokyo and to us.

3. Payments to the suppliers in terms of the letter of credit will be made initially out of your own funds. After payments, you must claim immediately reimbursements of the amounts paid by furnishing necessary documents to the OECF.

4. On making payment to the foreign supplier you should send to _____ (Name and address of the importer's Bankers) the original shipping documents (negotiable) as well as additional complete/set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Interest charges payable to you, for the time lag between the date of payment by you to the supplier and the date of its reimbursement to you by the OECF, shall be settled by you with the concerned Importers bank in India through normal banking channels without affecting the Government of India's account. The other banking charges including those on account of opening, maintenance and for the operation of the Letter of Credit as also those connected with handling negotiating documents and charges of overseas suppliers bankers if any, are to be borne by the Overseas Supplier/Importer and may, therefore, be recovered from the Supplier/Importer directly. No reimbursement of such charges is to be claimed from the OECF.

6. As and when payment is made by you and reimbursement is made to you, an advice in the prescribed form should be sent to this Ministry.

7. This Letter of Authority is intended for opening of L/C favouring the overseas suppliers. Subsequent amendments to L/C or further fresh L/Cs against this authorisation may not be acted upon in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This Letter of Authority will remain valid upto _____

9. Please quote the number given at the top of this letter of instructions in all correspondence relating to the contract and also in the advice showing payment.

Yours faithfully,

(Accounts Officer)

Copy forwarded to :—

1. Importer _____ with reference to their letter No. _____ dated _____.

They are requested to arrange to deposit through their Bankers, the rupees deposits etc. at the prescribed rate and manner, before taking delivery of the negotiable documents from the Bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the Licensing Conditions.

2(i) Importer's Banker, This has reference to import Licence No. _____ dated _____. This letter of authorisation issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen credit. The licensing conditions and connected Public Notice/or etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

2(ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the overseas suppliers on receipt of documents from the Bank of India, Tokyo Branch. The rupee equivalent of amounts disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to overseas suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 or such other Public Notices as may be issued from time to time. Interest @ 12 per cent per annum for the first thirty days and at the rate of 18 per cent per annum for period in excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier/date of reimbursements to Bank of India and the date on which the rupee equivalents are deposited into the Government Account is also required to be deposited into the Government of India Account in terms of Public Notice No. 31-ITC(PN)/83 dated 10-8-83. The

interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Overseas Suppliers and also the date on which rupee deposits is made into Government Account. (Any change in this rate will be intimated if and when made). It should be ensured that these deposits are made before the original set of import documents are handed over to the importer for Customs clearance.

These amounts should be deposited either with the RBI, New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the challan or the SBI, Tis Hazari, Delhi. In this connection, their attention is also invited to the provisions of the Public Notices No. 184-ITC(PN)/68 dated 30-8-68, 233-ITC(PN)/68 dated 24-10-1968, 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-5-1974 and No. 103-ITC(PN)/76 dated 12-10-1976. The head of account to be credited is "K-Deposits & Advances-843-Civil Deposits-Deposit for purchases etc. abroad under Purchases under Credit/Loan Agreements" Loans from the Government of Japan—billion Yen Credit (Project Aid) No. ID-P— for 1988.

One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi, or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71 dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below along with a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), 1st Floor UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi-1.

In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases full particulars of the rupee equivalents deposited should be furnished to this Department.

Interest charges payable to the Bank of India, Tokyo for the time lag between the date of payment to the supplier and the date of its reimbursement to the Bank of India, Tokyo by the OECF shall be settled directly by you with the Bank of India, Tokyo through normal banking channels without affecting the Government of India's account.

3. The Director, Loan Department-II, Overseas Economic Cooperation Fund, Takebashi Godo Building, 4-1, Ohtemachi 1-Chome, Chiyoda-Ku, Tokyo 100, Japan.

4. Embassy of India, Tokyo.

5. The Under Secretary, Japan Section, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi.

Accounts Officer.

ANNEXURE—IV

Form OECF-IC I

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for goods)

Date :

To _____

This letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ Dated _____ between (Borrower) and The OVERSEAS ECONOMIC CO-OPERATION FUND.

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of _____ for a sum of sums not exceeding an aggregate amount of _____ (Say Yen _____) available by your drafts at sight for full invoice value drawn on us, to be accompanied by the following documents :

Signed commercial invoice in full set of clean on board ocean bills of lading made out to order and blank endorsed and marked "Freight and Notify" and other document evidencing shipment of (brief description of goods to be shipped referring to Contract No. _____ (if any) from _____ to _____ Partial shipments are permitted. Transshipment is permitted. Bills of lading must be dated not later than _____ Drafts must be presented for negotiation not later than—

All Drafts and documents under this credit must be marked _____ irrevocable credit No.

"Drawn under _____

dated _____

and Import Reference No. (s) (if any)

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentations and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision), International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special Instructions to the negotiating bank :

1. After obtaining the reimbursement for our payments from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with instructions issued by the negotiating bank.

2. The negotiating bank must forward the drafts and one complete set of documents to us together with the certificate stating that the remaining documents have been air-mailed direct to _____.

3. All banking charges under this credit are for the account of importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : _____
(Authorized Signature)

PAYMENT SCHEDULE

This payment schedule constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____

1. Initial Payment

Amount: Y _____

being _____ % of the total contract price

Required documents : beneficiary's Statement

Latest presentation date :

2. Progress Payment

Aggregate amount : Y _____

being _____ % of the total contract price to be paid as follow

Amount due Latest presentation _____

1st Instalment : Y _____

2nd Instalment : _____

Required document : A copy of statement of performance issued by (Borrower or its designated authority),

a form of which is attached hereto.

STATEMENT OF PERFORMANCE

ANNEXURE-V

Date :

Form OECF-LC II

Ref. No.

Irrevocable Letter of Credit
(Applicable for Services)

Date : _____

To _____

This Letter of Credit has been issued pursuant to Loan Agreement No. _____ dated _____ between (Borrower) and THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND.

To _____

(Name and address of the Supplier)

Re : Letter of Credit No. _____ dated _____

issued by _____

for ¥ _____ in favour of _____

..... Concerning.....

Project under Loan Agreement No. _____

I, the undersigned, representing (Borrower), hereby issue a Statement of Performance to entitle _____ to receive the sum of ¥ _____ (Yen only from THE OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND) in accordance with the Payment of Terms stipulated in the Contract No. _____, dated _____, between _____ and _____.

(Borrower)

By : _____

(Authorised Signature)

Special Instructions :

The details of the actual performance shall be stated in the sheet attached hereto.

PAYMENT TERMS

This payment terms constitutes an integral part of our Letter of Credit No. _____.

I. Initial Payment

Amount : ¥ _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Letter of Credit No. _____

II. Intermediate Payment (if any)

Amount : _____

being _____ % of the total contract price.

Required documents :

Latest presentation date :

III. Payment against Shipping Documents

Amount ¥ _____

being _____ % of the total contract price.

Note : This attached sheet is not required in case of full payment against shipping documents.

(Name and address of the Supplier)

Dear Sirs,

We advise you that we have opened our irrevocable credit No. _____ in your favour for account of for a sum or sums not exceeding an aggregate amount of ¥ _____ (Say Yen _____) available by beneficiary's drafts at sight for full Statement value drawn on us.

To be accompanied by the required documents, in accordance with the Payment Schedule attached hereto, concerning (Contract No. _____ with regard to _____ Project). Drafts must be presented for negotiation not later than _____.

All draft and documents must be marked "Drawn under irrevocable credit No. _____".

This credit is not transferable.

We hereby undertake that all drafts drawn under and in compliance with the terms of the credit shall be duly honoured on due presentation and delivery of documents to the drawee.

Unless otherwise expressly stated, this credit is subject to "Uniform Customs and Practice for Documentary Credits (1974 Revision). International Chamber of Commerce Brochure No. 290".

Special instructions to the negotiating bank :

1. After receipt of the original Statement of Performance issued by (Borrower or its designated authority) in accordance with the form attached hereto payment(s) under this credit must be made in accordance with the payment Schedule stipulated in the sheet attached hereto. In case of the initial payments the beneficiary's Statement is required instead of the above mentioned Statement of Performance.
2. After obtaining the reimbursement for our payment from the OVERSEAS ECONOMIC COOPERATION FUND in accordance with the provisions of the Letter of Commitment issued thereby under the above-mentioned Loan Agreement, we undertake to remit the amount of the drafts in accordance with the instructions issued by the negotiating bank.
3. A copy of the documents as mentioned in item 1 above and the drafts shall be sent to us immediately after the receipt thereof.
4. All banking charges under this credit are for the account of the importer/supplier.

Yours faithfully,

(a commercial bank)

By : _____

(Authorised Signature)